

DPN 6559

Title : हनुमत्कवच / HANUMAT KAVACHA

Run. No. 7284

Cat. No. 292

Micro. No.

Subject S to + ha

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 19.5×9

Folios 9

Lines (in a page) 8

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Ilus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu / one side yellow

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

Beginning, colophon, post-colophon :
 Fol. 2 v: ॐ अथ श्री हनुमत्कवच स्तोत्रमन्त्रस्य श्रीरामचन्द्राय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं ॥
 महावीरो श्रीहनुमान्देवता मारुतात्मज इति बीजं : ॐ अञ्जनीमुनुरिति शक्तिः ॐ ह्रीं श्रीं ॥
 इति कवचं ॐ स्वाहा इति कीलकं ॥ लक्ष्मणप्राणदाता च इति बीजं

मम सकल कार्यसिद्धये जपे विनियोगः ॥

— 4 —

ॐ नमः श्री रुद्रमनाय ॥ च के क स ख मा सी नं ग के नं ला कं
 के नं ॥ य य च गि नि ज्ञा का नं क य न ध व लं गि वं ॥ १ ॥ या वे
 त्य वा च ॥ र ग व न्द व न्द व न्द ला क ना थ ड ग न्द न्द ॥ (ग
 का कू ला नी ला का नां क न न का र व ध्रु वं ॥ २ ॥ स ग म ॥ १ ॥
 शु क ठ धा न्द र ग य ना दि क र य ॥ दूः ख दा वा नि स न
 फ य ग सा दूः ख रा गि ना ॥ ३ ॥ ॐ श्व नी वा च ॥ शु शु द
 वि य व का मि ला का नां हि ग का म्ये या ॥ वि री व क्ष य न म
 क्ष य मा द रं च य य ना ॥ ४ ॥ क व रं क पि ना थ स्य वा य

पृथ्वी म नः ॥ उ कं न स प व का मि वि ल्प वां कृ द्म स न्द नी ॥ ५ ॥
 ॥ ॐ अ स्य श्री रुद्र म न्द व च स्ता ग म नु स्य श्री ग्रा म च न्द म धि
 न नू य न्दः ॥ म हा वी प्रो श्री रुद्र म न्द व ग मा नू ग त्त उ ॥
 ति वी उंः ॐ अ नी य न्द नि गि ग किः ॐ कं कौ सौः ॐ रि क व
 यंः ॐ स्वा रा ॥ रि की ल कं ॥ ॐ ल क्श न या द दा ग च ॥ ति वी उं म
 म स क ल का र्थे रि क्थ उ य वि नि या गः ॥ ॥ अ ध के ना र्थ न्या
 ॥ ॐ कौं अ गु ष्ठा र्थ नमः ॐ कौं ग र्ज नी र्थ नमः ॐ कौं म ध्वा
 र्थ नमः ॐ कौं अ ना मि का र्थ नमः ॐ कौं क नि र्थि का र्थ न

मः ॐ कः कल गल क न य छा ह्यं नमः ॥ ॐ श्री नी सून
 व द द या य नमः ॐ नू द मू र्ण य भि न स खा हा ॥ ॐ वा य सू
 गाय भि खा य व ष ट ॥ ॐ व क द हा य क व चा य दू ॥ ॐ नाम
 दू गाय न ग ग या य वो ष ट ॥ ॐ व द्वा सु नि वा नू भा य अ स्त्राय रु ट ॥ २ ॥
 ॐ हूं रु ट ॥ रि दि ग्व न्ध नं ॥ ॥ अथ ध्या नं ॥ ॐ ध्या य द्वा ल दि
 वा क त्र दि गि नि रं द वा त्रि द यो य हं द व ल्द य म् ख य ण न्न य ण
 रं द दी य मा नं नू चा ॥ सु ग्री वा दि स म स्र वा न न यूर्ग सू य कः

ग स्व पि यं सं न का नू ण ला च नं य व न ऊं यी गा म्भ ना लं
 कृ गं उ द्वा न्मा र्ण दु का टि य क ट न चि यूर्ग चा नू वी ना स न
 स्थं भा ङ्गी य ङ्गा य वी गा र न ण नू चि भि खा ह्यं रि तं कृ दु ला
 कै ॥ ए का ना मि द्द द लं य व न म नि ऊ नं व द ना द य मा द ध्या
 य द व वि धायं य व ग कू ल य ति ग्म ष्य दी रू ग चा द्वि ता ॥ ३ ॥
 व द्वा न पि न्ने कं ग्म द्वा ख न्ने कृ ल म लि गी गि य द्वा कृ ग लं
 क म्भ या ना वा न य ना क र्म ॥ ४ ॥ वा म रु स म हा वृ द्वा द ग्म स्य क न
 ख णु र्ण ॥ उ द्वा द्वा वि ण दा द्वा हूं ह नू म न वि चि न्ने य त् ॥ ४ ॥ रु

टिका रंखनू कानि द्वि तु अ ध्व कृ गां ड लिं ॥ कृ शु ल द्रयु सं
 (भारि मुख भा ड रु निं रु ड ता ॥ ५ ॥ उ घ दा दि त्य सं का र्ण मू
 दा रं रु ड वि के म ॥ क न्द य को टि ला व र्ध स र्व वि द्यो वि ग्ना न
 द ॥ ६ ॥ श्री राम द्वा द या न न्द रु को क ल्य म ही नू रं ॥ अ रा य
 व न दं द या क ल य मा नू ता त्म ड ॥ ७ ॥ आ य ना डि ल म र्क रु ॥ ३ ॥
 न म र्क ना म य डि तं ॥ य स्था नं च क नि र्वा मि सि द्वि रा व रु मे स
 दा ॥ ८ ॥ या वा ना नि धि म ल्य पु ल्क ल मि वा लं ध य ना या नि धि ना वे
 द रि ध न ल्म क ना य रु न ल्म वे क रु र कि प्रिय ॥ अ द्वा द्वा र्ण

त मा द्वा स ध्व न म रु द यो य रु नी न ल सा यं वा न न य म् नी वा
 व रु स दा य वा ल्म मी न ल्म ड ॥ ९ ॥ व डो मी पि म न र्ण के न क
 म य ल स क रु ला द्वा सि ना मी ना ना वि द्या वि ना धं क न र ल वि
 धृ रं पु र्ण को म रु द रु च ॥ रु का री द्वा धि का रं वि द ध रि च स
 दा स य स न्ने क पि न्दु रं ला र्क ना स का रं स क ल रु व न ग
 ना म दू र न्म मा मि ॥ १० ॥ उ घ ल्म रु ल क म्पु य च य ड ड ल ध
 रं री म मू र्क क पि न्दु ॥ व न्द ना मा द्वि यं द्वा र म न य नि वृ र्ण
 स न्ने सा न य स न्ने ॥ ११ ॥ वा म क न र्व नि र्वा र्य व रु र्क (भे ल ध्व

वक्रं निज कल्लु लनं ॥ दधनमाच्छाद्य सुवर्णवर्णं ततः
 कल्लु लनामदुर्गं ॥ १२ ॥ यद्वा नागमे नि कल्लु ललिः
 साया गाली कृत कथालमलुलं ॥ दिव्यदवक वलीवना
 कप्र रावेयामियवमाने नन्दनं ॥ १३ ॥ श्रीश्वत्रुवा ॥ ४ ॥
 वा ॥ निवदति विष्णुखाद्याय वा कसन्देयमुदितवत्र
 चिन्ता नाव नस्यानूजारि ॥ तद्यवत्रवत्रदुर्गं पूजयामास
 मूयाः मुतिरिति यदुर्गाथं स्वयं मन्यमानं ॥ १४ ॥ व
 द्दविद्युदलयेषु तं स्वर्णयज्ञाय वीर्गं कर्णं दन्दकन

कत्रुचिर्ग कल्लु लनाय नं ॥ उच्चैरुष्मत्तयमनि किन्तु
 लुमिर्ग राविर्गार्गं सत्कीर्णं कयिवत्रधुर्गं कामत्रयं क
 यिन्दुं ॥ १५ ॥ मनोऽवमात्रं तुल्यवर्गं जितं न्दियं वद्वि
 मर्गावविद्युः ॥ वागास्मात्तुवानत्रयुधमूर्खं श्रीनामदुर्गं मे
 नसास्मनामि ॥ १६ ॥ ॐ अग्निगर्गाय अस्मय रूढ ॥ ॐ नमो
 गवतः ॐ कृष्णाय नमः ॥ ॐ अङ्गन्यायाय नमः ॥ निर्यासा ॥ ॐ न
 दमूर्गाय नमः ॥ ॐ नामदुर्गाय अनामिकाया ॥ ॐ न
 ॐ नमो नमो कनिष्ठाया वेषट् ॥ ॐ अग्निगर्गाय अस्मय रू

यस्वाहा ॥ ॥ ॐ नमो हनुमते यवनपूजाय देवध्यान
मुखोयहनहनयाय दृष्टिषोढा दृष्टिहनहनमदाहास्य
स्वाहा ॥ ॥ ॐ नमो हनुमन्नायवानननाजाकलूयानाः
अग्निहालाजिहायविसृगलायनगयायः वक्रोक्षुधुः
सनायदवदानवगणागधद्वसिद्धकिन्नरमहानगः समु
नयादयमायकूटीवदनायः कपालकृतलखनाय
चतुःसमुद्रमिक्षोतनलीमादीहासायः तद्वत्थचरि २४
गवान्धोनेत्रस्वनसत्रसमुद्रलंघनेः हवायूयुतः ॥ ॥

यत पिभयदा किनी भकिनी वालगुरु रु त ग रु य ग ग
रुः क न ना ग य दू पी ट का स्था ट वा धिः रु न २ द रु २ य
न २ म थ २ य म थ य २ वि द्ध भ य २ उ द्वा द य २ उ म्भ य २ स्थ
त य २ ना भ य २ पा त य २ ल क य २ स व दू दू ग लाः ग म २
ह द य २ म्भ त य २ क ट य २ ग्भ ष य २ मा न य २ रु न २ प रुः
न २ लं य य २ कुं की की यी यी मी मी की की दू दू आ का स
पि स म्भ ल्य अ स्य य का वाः रु ता वाः द व ग दा वाः ऊ य स्मा न ग
दा वाः सा कि नि वाः दा कि नि वाः या नि नि वाः पि भ पि वाः ग ५

लृष्टिपर्वणादि पश्य क्रिय यूर्ध्वयश्ममत्र क खरुं न
 मा र ग व ग रु नू म ना य ॥ श्री गाम च न्द उ वा च ॥ उ रु न
 मान्य द्र तः पा रु द कि (क्षय व ना त्म जः ॥ पा रु या नि कां न का
 द्यः पा रु सा ग न या न गः ॥ १ ॥ उ दी ची मूर्द्ध गः पा रु क ण त्री ॥ ८ ॥
 यिय न न्द नः ॥ अ ध श्व विष्णु रु क्म पा रु म धां च पा व नि
 ॥ २ ॥ अ वा न्म त्र दि णः पा रु सी ता (भ क दि ना ण नः ॥ ल
 का वि दो रु कः पा रु स र्वो प दा नि न रु र्ण ॥ ३ ॥ स यी व स वि
 वः पा रु म रु क वा यू न न्द नः ॥ गाल पा रु म हा वी नो रु

यो र्म क्ष नि न रु र्ण ॥ ४ ॥ नि रु का या व हा गी त पा रु न
 : प्ल व (ग ध्व नः ॥ क पा ली क र्ण मू ल रु पा रु धी नाम किं क
 नः ॥ ५ ॥ ना ण (ग म रु नी रु नू र्व क पा रु रु नी ध्व नः ॥ वा र्च
 नू द यियः पा रु डि का पिं ग ल ल च नः ॥ ६ ॥ पा रु द न्का
 नू ल रु न रु धि व कं द त्र या रु रु त ॥ पा रु क र्ण च द त्र या नि
 : रु ल्नी पा रु स र्वा र्च नः ॥ ७ ॥ रु जी यो रु म हा ग ताः क नी च
 च न क्ष य धः ॥ न खा न खा य धः पा रु कृ दि या रु क पि ध्व नः ॥

८॥ वक्रो मूढाय हा नीच या उया (वै) उजायू धः॥ लंका वि
रुक्मिनः या उयूष द (नि) निव न वं ॥ ९॥ ना री च नाम दूत
सुक टिं या ल नि ला त्तः॥ उ र्ज या उ म हा या रूः स कि नी
च मि व पि यः ॥ १०॥ उ नू च जा नू मी या उ लं का या सा द र ॥ ११॥
ऊ नः॥ उ र्ज या उ क पि (नि) नि व न वं ॥ ११॥
अ च ला द्वा न कः या उ या दी रा स्त न स वि रः॥ या दा नै स
वै स त्वा द्यः या उ या दा द्दु ली षू च ॥ १२॥ सर्वो मी नि म हा ग